

3 (Sem-6/CBCS) HIN HC 1

2022

HINDI

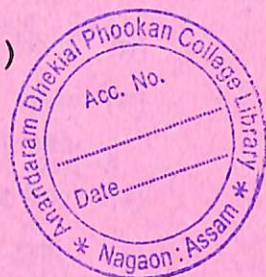
Paper : HIN-HC-6016

(हिन्दी की साहित्यिक पत्रकारिता)

(Honours Core)

Full Marks : 80

Time : 3 hours



*The figures in the margin indicate full marks
for the questions*

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×10=10
- (क) पत्रकारिता की कोई एक परिभाषा दीजिए।
- (ख) साहित्यिक तथा गैर-साहित्यिक पत्र-पत्रिकाओं में निहित एक अंतर लिखिए।
- (ग) 'हिन्दी प्रदीप' निम्नलिखित में से किस प्रकार की पत्रिका है?
दैनिक ; मासिक ; वार्षिक
- (घ) महावीर प्रसाद द्विवेदी के सम्पादकत्व में प्रकाशित पत्रिका का नाम क्या है?
- (ङ) पत्रकारिता का मूल लक्ष्य क्या है?
- (च) 'समकालीन साहित्यिक पत्रकारिता' का क्या अर्थ है?

(2)

- (छ) छायावाद-युगीन किसी एक साहित्यिक पत्रिका का नाम लिखिए।
- (ज) साहित्यिक पत्रकार के किसी एक गुण का उल्लेख कीजिए।
- (झ) 'समालोचना' पत्रिका के प्रथम सम्पादक कौन थे?
- (ञ) पुस्तकों की साहित्यिक आलोचना का सूत्रपात किस पत्रिका के माध्यम से प्रारंभ हुआ था?
- (ट) 'हिन्दी प्रदीप' का प्रथम प्रकाशन-काल क्या था?
- (ठ) 'आनंद कादम्बिनी' के प्रथम सम्पादक कौन थे?
- (ड) 'साप्ताहिक दिनमान' के प्रथम सम्पादक का नाम लिखिए।
- (ढ) 'प्रतीक' पत्रिका का प्रकाशन निम्नलिखित में से किस युग के भीतर हुआ था?

छायावाद ; हालावाद ; प्रयोगवाद

- (ण) आपकी दृष्टि से समकालीन साहित्यिक पत्र-पत्रिकाओं में से किसी एक श्रेष्ठ पत्र-पत्रिका का नामोल्लेख कीजिए।

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं पाँच के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×5=10

- (क) साहित्यिक पत्रकारिता की कोई दो विशेषताएँ लिखिए।
- (ख) 'बंगवासी' पत्रिका को 'भाषा गढ़ने की टकसाल' क्यों कहा गया था?
- (ग) अंग्रेज सरकार के कलेक्टर ने शिक्षा-विभाग के लिए 'कविवचन सुधा' पत्रिका की खरीद पर क्यों रोक लगाई थी? कोई दो कारण लिखिए।

(3)

- (घ) मासिक पत्रिका 'समालोचक' की किन्हीं दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।
- (ङ) प्रतापनारायण मिश्र तथा अम्बिकादत्त व्यास द्वारा प्रकाशित पत्रिकाओं के नाम लिखिए।
- (च) साहित्यिक पत्रकारिता में 'न छोड़ो तथा न जोड़ो' नियम का क्या तात्पर्य है?
- (छ) 'जनसत्ता' पत्र का सामान्य परिचय दीजिए।
- (ज) साहित्यिक पत्रकारिता के महत्त्व के संदर्भ में किन्हीं दो बातों का उल्लेख कीजिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर संक्षेप में दीजिए :

5×4=20

- (क) भारतेन्दुयुगीन हिन्दी पत्रकारिता के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।
- (ख) 'सरस्वती' का ऐतिहासिक महत्त्व क्या है, स्पष्ट कीजिए।
- (ग) साहित्यिक पत्रकारिता के क्षेत्र में प्रेमचंद की भूमिका को रेखांकित कीजिए।
- (घ) भारतेन्दुयुगीन हिन्दी पत्रकारों के लक्ष्य क्या-क्या थे? क्या वे उसमें सफल रहे थे? स्पष्ट कीजिए।
- (ङ) 'धर्मयुग' पत्रिका की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
- (च) 'कविवचन सुधा' के महत्त्व पर एक टिप्पणी लिखिए।
- (छ) स्वातंत्र्योत्तर-कालीन कौन-सी हिन्दी पत्रिका आपको अच्छी लगती है? तर्क दीजिए।
- (ज) "महावीर प्रसाद द्विवेदी जी साहित्यिक भी थे, पत्रकार भी, उन्होंने पत्रिका के माध्यम से साहित्यिक गतिविधियों का नियंत्रण-निर्देशन किया था।" प्रस्तुत उक्ति के पक्ष में अपने विचार व्यक्त कीजिए।



4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के सम्यक् उत्तर दीजिए :

10×4=40

- (क) समकालीन साहित्यिक पत्रकारिता के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।
- (ख) स्वातंत्र्योत्तर साहित्यिक पत्रकारिता की प्रमुख प्रवृत्तियों को रेखांकित कीजिए।
- (ग) भारतेन्दुयुगीन पत्र-पत्रिकाओं की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।
- (घ) साहित्यिक पत्रकारिता के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।
- (ङ) समकालीन हिन्दी की प्रमुख साहित्यिक पत्र-पत्रिकाओं का परिचय दीजिए।
- (च) द्विवेदीयुगीन साहित्यिक पत्रकारिता के सामने उपस्थित समस्याएँ क्या-क्या थीं, स्पष्ट कीजिए।
- (छ) स्वतंत्रता के पश्चात् लगभग 30 सालों तक प्रकाशित 'साहित्य संदेश' के वैशिष्ट्यों पर प्रकाश डालिए।
- (ज) भारतेन्दु को क्या हिन्दी की साहित्यिक पत्रकारिता के क्षेत्र का अग्रदूत कहा जा सकता है? पक्ष अथवा विपक्ष में अपनी राय दीजिए।
- (झ) "स्वातंत्र्योत्तर साहित्यिक पत्रकारिता के नाम पर कुछ यशोकांक्षी पत्रकार-साहित्यिक एक-दूसरे पर कीचड़ उछालने में व्यस्त हैं।" क्या आप इस कथन से सहमत हैं? सतर्क उत्तर दीजिए।
- (ञ) साहित्यिक पत्रकारिता के क्षेत्र में सम्पादक की क्या-क्या भूमिकाएँ होती हैं, स्पष्ट कीजिए।

